मराठा सामाज्य

Presented by → Mamta Rani
Guest Assistant Professor.
SNSRKS COLLEGE, SAHARSA
Depart. of History.
BA PART - 3rd.

आधुनिक भारत के इतिहास में मराठों ने सबसे अधिक और महत्वपूर्ण भूमिका दक्कन के क्षेत्र में निभाया था। शिवाजी के समय इनलोगों ने मुगलों को सबसे अधिक चुनौती प्रस्तुत किया था। पूणा जैसे छोटे से जागीर से उठकर शिवाजी ने मराठा साम्राज्य का निर्माण कर दिया, जिसको इतिहास में मराठवाड़ा कहा गया है। उस समय मराठवाड़ा क्षेत्र में सम्पूर्ण महाराष्ट्र के साथ-साथ मध्यप्रदेश और कर्नाटक का कुछ भाग शामिल था।

इसके अन्तर्गत हमलोग निम्नलिखित तथ्यों का अध्ययन कर सकते हैं —

स्रोत - मराठों के बारे में जानकारी के लिए हमलोगों के पास कई महत्वपूर्ण स्रोत है, जिसका संक्षिप्त वर्णन निम्नलिखित है —

ⓐ **सभासद** → यह दरबारी इतिहासकार था, जिन्होंने शिवाजी की जीवनी लिखा है, जिसका नाम बखर है। इस पुस्तक से शिवाजी के उपलब्धियों के साथ-साथ मराठों के बारे में भी जानकारी मिलता है।

ⓑ **खफी खाँ** → यह औरंगजेब के समय के प्रसिद्ध विद्वान थे जिन्होंने मुन्तखब-उल-लुबाब नामक पुस्तक लिखा।

इसने शिवाजी को 'शैतान का चतुर बेटा' कहकर संबोधित किया है। औरंगजेब ने शिवाजी को 'पहाड़ी चूहा' कहा है।

→ ग्रांट डफ :-

इस विद्वान ने मराठों पर शोध का कार्य किया है और मराठों का इतिहास नामक पुस्तक की रचना किया है, जिसमें विस्तारपूर्वक उल्लेख किया गया है।

→ समर्थ रामदास :- यह शिवाजी के आध्यात्मिक गुरु थे। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक का नाम दसबोध है।

इन्हीं के प्रेरणा स्रोत से शिवाजी ने इतने विशाल मराठा साम्राज्य का निर्माण किया था। शिवाजी के संदर्भ में रामदास का प्रसिद्ध कथन "उठो शिवाजी अब समय आ गया है, गौ - ब्राह्मण की रक्षा करो और मराठवाड़ा साम्राज्य का निर्माण करो।"

:- मराठों के उदय का कारण :-

- भौगोलिक कारण।
- गोरिल्ला युद्ध प्रणाली का जनक मलिक अम्बर को माना जाता है। इसके बाद शिवाजी और बाजीराव I ने इसको अधिक विकसित किया।
- औरंगजेब की हिन्दू विरोधी नीति
- भक्ति आंदोलन का प्रभाव
- भाषा एवं साहित्य का योगदान
- शिवाजी का व्यक्तित्व।

-x-